



2026: AHC: 30020-DB

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

जनहित याचिका संख्या - **366/2026**

विश्वनाथ विश्वकर्मा याचिकाकर्ता(गण)

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य और 5 अन्य उत्तरदाता(गण)

याचिकाकर्ता(गण) के अधिवक्ता: आकाश राय

उत्तरदाता(गण) के अधिवक्ता: वत्सला, जगदीश पाठक (एम.सी. - स्थायी अधिवक्ता)

मुख्य न्यायाधीश का न्यायालय

माननीय मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली

माननीय न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र

1. यह याचिका, कथित रूप से जनहित में, याचिकाकर्ता द्वारा उत्तरदाताओं को ग्राम जंगल सीकरी उर्फ खोराबार, तहसील सदर, जिला गोरखपुर में सार्वजनिक उपयोगिता की भूमि पर अनधिकृत अतिक्रमण हटाने का निर्देश देने की मांग करते हुए दायर की गई है।
2. याचिका के अवलोकन से संकेत मिलता है कि याचिकाकर्ता द्वारा 04.02.2025 को अतिक्रमण का आरोप लगाते हुए एक प्रत्यावेदन दिया गया था और अब वर्तमान जनहित याचिका दायर की गई है।
3. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत चित्र (अनुलग्नक-2) के अवलोकन से संकेत मिलता है कि निर्माण नया नहीं है, वह बहुत लंबे समय से अस्तित्व में प्रतीत होता है। याचिका में ऐसा कोई कारण नहीं बताया गया है जिसकी वजह से याचिकाकर्ता को प्रत्यावेदन देने और फिर जनहित याचिका

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"



प्रस्तुत करने की आवश्यकता पड़ी। प्रत्यावेदन एक राजनीतिक दल के लेटर हेड पर दिया गया है, ऐसा प्रतीत होता है कि प्रत्यावेदन देना और वर्तमान जनहित याचिका दायर करना याचिकाकर्ता और प्रतिवादी संख्या 5 और 6 के बीच किसी व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता का परिणाम है, जिस उद्देश्य के लिए जनहित याचिका के माध्यम का दुरुपयोग नहीं किया जा सकता है।

4. फलस्वरूप, याचिका में कोई सार नहीं है, इसलिए इसे खारिज किया जाता है।

(क्षितिज शैलेंद्र, न्यायमूर्ति) (अरुण भंसाली, मुख्य न्यायाधीश)

11 फरवरी, 2026

ए.एच.ए./ज्योत्सना

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"